SSR.com

कारक

SSR.com

परिभाषा (Definition)

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सीधा संबंध क्रिया के साथ ज्ञात हो, कारक कहलाता है।

जैसे – गीता ने दूध पीया।

SSR.com

इस वाक्य में गीता क्रिया का कर्ता है और दूध उसका कर्म।

अतः 'गीता' कर्ता कारक है और 'दूध' कर्म कारक।

SSR.com

कारक विभिक्ति–

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के बाद 'ने, को, से, के लिए', आदि जो चिह्न कारक विभक्ति कहलाते हैं।

SSR.com

हिन्दी में आठ कारक होते हैं।

उन्हें विभक्ति चिह्नों सहित देखा जा सकता है।

SSR.com

कारक विभक्ति चिह्न (परसर्ग)

1. कर्ता –ने
2. कर्म –को
3. करण –से, के साथ, के द्वारा
4. संप्रदान –के लिए, को
5. अपादान –से (पृथक)
6. संबंध –का, के, की
7. अधिकरण –में, पर
8. संबोधन –हे! हरे!

SSR.com

विशेष–

कर्ता से अधिकरण तक विभिक्ति चिह्न (परसर्ग) शब्दों के अंत में लगाए जाते हैं, किन्तु संबोधन कारक के चिह्न –

हे, रे, आदि प्रायः शब्द से पूर्व लगाए जाते हैं।

SSR.com

कारक के प्रकार

Types of Preposition

SSR.com

1. कर्ता कारक

जिस रूप से क्रिया (कार्य) के करने वाले का बोध होता है वह कर्ता कारक कहलाता है।

इसका विभक्ति-चिह्न 'ने' है।

विशेष

(1) भूतकाल में अकर्मक क्रिया के कर्ता के साथ भी ने चिह्न नहीं लगता है।

(2) वर्तमान व भविष्य की सकर्मक क्रिया के कर्ता के साथ ने चिह्न का प्रयोग नहीं होता है।

(3) कभी–कभी कर्ता के साथ को तथा स का प्रयोग भी किया जाता है।

SSR.com

2. कर्म कारक

क्रिया के कार्य का फल जिस पर पड़ता है, वह कर्म कारक कहलाता है।

इसका विभक्ति-चिह्न 'को' है।

यह चिह्न भी बहुत - से स्थानों पर नहीं लगता।

SSR.com

3. करण कारक

संज्ञा आदि शब्दों के जिस रूप से क्रिया के करने के साधन का बोध हो वह करण कारक कहलाता है।

इसके विभक्ति-चिह्न 'से', 'के द्वारा' हैं।

4. संप्रदान कारक

संप्रदान का अर्थ है– देना। अर्थात, कर्ता जिसके लिए कुछ कार्य करता है, उस रूप को संप्रदान कारक कहते है।

इसके विभिन्न चिह्न 'के लिए' को हैं।

SSR.com

5. अपादान कारक

संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाए वह अपादान कारक कहलाता है।

इसका विभक्ति – चिह्न 'से' है।

SSR.com

6. संबंध कारक

शब्द के जिस रूप से किसी एक वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध प्रकट हो , वह संबंध कारक कहलाता है।

इसका विभक्ति चिह्न 'का', 'के', 'की', 'रा', 'रे', 'री' है।

SSR.com

7. अधिकरण कारक

शब्द के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध होता है उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

उसे विभक्ति-चिह्न 'में', 'पर' हैं।

SSR.com

8. संबोधन कारक

जिससे किसी को बुलाने अथवा सचेत करने का भाव प्रकट हो उसे संबोधन कारक कहते है ।

संबोधन चिह्न (!) लगाया जाता है।

लिखित कार्य

SSR.com

परिभाषा (Definition)

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सीधा संबंध क्रिया के साथ ज्ञात हो, कारक कहलाता है।

जैसे – गीता ने दूध पीया।

कारक के भेद

कारक	परसर्ग या विभक्ति चिह्न	उदाहरण
कर्ता	ने	रवि ने मनीष को बचाया।
कर्म	को	हमने भूखे को खाना खिलाया।
करण	से, के द्वारा	वीना हवाई जहाज से दिल्ली आएगी।
सम्प्रदान	के लिए	पारुल सबके लिए खाना लाई।
अपादान	से (अलग होना)	वह छत से गिरा।
सम्बन्ध	का, के, की, रा, रे, री,	रीना का भाई बडा है।
अधिकरण	में, पर	अधिक उँचाई पर मत जाओ।
सम्बोधन	हे! अरे! हाय !	अरे! सुनो इधर आओ।

अभ्यास कार्य

Q III निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक का नाम लिखिए।

1 रोहित को विद्यालय जाना है। _____

2 गंगा हिमालय से निकलती है। _____

3 बालक चम्मच से खाना खा रहा है। _____

4 पिताजी कमरे में हैं। _____

5 हे गुरुजनों! कृपया आसन ग्रहण कीजिए। _____

6 माँ ने खाना बनाया। _____

7 मैं भाई के लिए उपहार लाया हूँ। _____

निम्नलिखित कारकों की विभक्तियाँ लिखिए।

कारक	विभक्ति
कर्म कारक	
अपादान कारक	
संबोधन कारक	
अधिकरण कारक	

कारक	विभक्ति
संबंध कारक	
करण कारक	
संप्रदान कारक	
कर्ता कारक	

Q V निम्नलिखित वाक्यों में कारक संबंधी अशुद्धियाँ हो गई हैं। उन्हें शुद्ध करके लिखिए।

1 माती जी के तबीयत ठीक नहीं है।

2 गिलास मेज़ में रखा है।

3 अच्छा भोजन शरीर को आवश्यक है।

4 पेड़ में पत्ते गिर रहे हैं।

5 पिताजी ने राकेश बुलाया है।

SSR.com

धन्यवाद